

नीतिआयोग द्वारा जारी रपोर्ट में नारायणपुर टॉप 5 आकांक्षी ज़िलों में शामिल

चर्चा में क्यों?

18 अक्टूबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जन-संपर्क वभिग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भारत सरकार के नीतिआयोग द्वारा देश भर के आकांक्षी ज़िलों के परफॉर्मेंस के आधार पर अगस्त 2022 में जारी की गई रपोर्ट में छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र नारायणपुर ने शक्षिका, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पाँच ज़िलों में अपना स्थान बनाया है।

प्रमुख बादु

- नीतिआयोग द्वारा जारी चैपियन ऑफ चैंज डेलटा रैंकिंग में देश के 112 आकांक्षी ज़िलों में ओवरऑल परफॉर्मेंस श्रेणी में छत्तीसगढ़ का आकांक्षी ज़िला नारायणपुर पाँचवें स्थान पर है। वहीं स्वास्थ्य और पोषण श्रेणी में नारायणपुर ज़िले का स्थान दूसरा है। इसी तरह शक्षिका श्रेणी के आधार पर जारी मासिक डेलटा रैंकिंग में नारायणपुर ज़िला चौथे स्थान पर है।
- उल्लेखनीय है कि विंचति वर्ग के बच्चों को भी बेहतर शक्षिका मिल सके और वे भविष्य के अवसरों के लिये तैयार हो सकें, इसी संकल्पना को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानन्द अंगरेजी माध्यम उत्कृष्ट स्कूल शुरू किये गए हैं। स्वामी आत्मानन्द अंगरेजी माध्यम स्कूल के शुरू होने के बाद आरथिक रूप से कमज़ोर वर्ग के बच्चे भी अब अंगरेजी माध्यम में अपनी पढ़ाई कर रहे हैं।
- अंगरेजी माध्यम के साथ ही हनिदी माध्यम में शक्षिका की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु स्वामी आत्मानन्द हनिदी माध्यम स्कूल भी शुरू किये गए हैं। इसके अलावा आकांक्षी ज़िलों में संचालित प्राथमिक स्कूल के बच्चों को उनकी स्थानीय बोली में भी शक्षिका दी जा रही है, जिससे वो अपनी संस्कृती और सभ्यता से जुड़ कर विषयों को आसानी से समझ रहे हैं।
- मुख्यमंत्री ने बच्चों को कुपोषण और महलियों को एनीमिया से मुक्त करने के लिये प्रदेशव्यापी 'मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान' शुरू किया है। इसके सकारात्मक प्रयोग मलिन हैं। प्रदेश के लगभग 50 प्रतिशत कुपोषित बच्चे कुपोषणमुक्त हो चुके हैं। लगभग 2 लाख 11 हज़ार बच्चे कुपोषण के चक्र से बाहर आ गए हैं। इसके साथ ही 85 हज़ार महलियाँ एनीमिया मुक्त हो चुकी हैं।
- नागरिकों को सुलभ सुविधाएँ पहुँचाने के लिये 'मुख्यमंत्री हाट बाज़ार कलनिकि', 'दाई-दीदी कलनिकि', 'मुख्यमंत्री सलम सवास्थ्य योजना', 'हमर लैब', 'मलेरिया मुक्त बस्तर' और 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ योजना' के साथ 'डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना', 'मुख्यमंत्री वशिष स्वास्थ्य योजना' संचालित की जा रही हैं।